शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार
nbt.india

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 **1** 1-9 फरवरी। भारत मंडपम, नई दिल्ली

मेला वार्ता

हम, भारत के लोग...
We, the People of India...
थीम
गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव
1950-2025

शनिवार, 01 फरवरी, 2025

माननीय राष्ट्रपति करेंगी नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 का उद्घाटन

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 का आयोजन 01 फरवरी 2025 से नई दिल्ली के भारत मंडपम् परिसर में होने जा रहा है। इस वर्ष नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का विषय 75वें गणतंत्र दिवस पर केंद्रित है और आयोजन में 50 देशों की भागीदारी है। पुस्तकों के इस भव्य महाकुंभ का उद्घाटन भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा 01 फरवरी 2025 को सुबह 11:30 बजे भारत मंडपम् में किया जाएगा।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा आयोजित शिक्षा मंत्रालय का यह एक फ्लैगशिप इवेंट, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2025 न केवल देशभर के लेखकों और विचारों का समागम होगा, बल्कि स्थानीय और वैश्विक, दोनों तरह के विषयों पर चर्चा का भी यह साक्षी बनेगा। इस वर्ष की थीम 'भारत : गणतंत्र @75' गणतंत्र के 75 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव है, जो राष्ट्र की आकांक्षाओं को दर्शाती है।

इस वर्ष नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का फोकस राष्ट्र रूसी संघ है। फ्रांस, कतर, स्पेन, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और कोलंबिया सहित 50 से अधिक देशों के अंतरराष्ट्रीय लेखक और वक्ता मेले की शोभा बढ़ाएँगे।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2025 के इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर में पुस्तक लोकार्पण, पैनल चर्चा, पठन सत्र, फिल्म प्रदर्शन और कार्यशालाएँ होंगी, जिसमें रूस, नेपाल, न्यूज़ीलैंड, जर्मनी, लिथुआनिया और इटली जैसे देशों के लेखक, वक्ता और साहित्यिक संघ शामिल होंगे।

फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स (FoF) के हिस्से के रूप में, एक पहल, जिसे राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 2024 में लॉन्च किया था, देशभर के विभिन्न पुस्तक उत्सव और साहित्यिक मंच नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2025 में एक साझा मंच पर एक साथ आएँगे। लेखकों के लाउंज को एक ऐसे समर्पित स्थान के रूप में डिजाइन किया गया है, जहाँ लेखक बातचीत कर सकते हैं और साहित्यिक समारोहों का आनंद ले सकते हैं। यह लेखकों, पुस्तकप्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थान होगा।

एक और विशेषता यह है कि बाल मंडप में सभी नौ दिनों में युवा आगंतुकों के लिए कथावाचन, साहित्यिक, कला, शिल्प और नृत्य सत्रों की एक विस्तृत शृंखला प्रस्तुत की जाएगी। इसके साथ ही राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाल फिल्मों का प्रदर्शन नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में आने वाले बच्चों के लिए मनोरंजन व ज्ञानवर्धन का केंद्र होगा।

संदेश

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

संदेश

यह हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 01 फरवरी, 2025 से 09 फरवरी, 2025 तक भारत मंडपम में नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के 32वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर हिन्दी में **'मेला वार्ता'** और अंग्रेजी में **'फेयर टॉक'** नाम से अलग-अलग दैनिक समाचार बुलेटिन का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

पुस्तक मेले का विषय **'भारत : गणतंत्र @75'** सर्वथा प्रासंगिक है। मुझे बताया गया है कि इस पुस्तक मेले में मुख्य विषय पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे जिनसे पाठकों की साहित्यिक और सृजनात्मक अभिरुचि बढ़ेगी।

मुझे यह जानकर खुशी हुई है, इस बार रूस को विशेष भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया है। मैं आशा करती हूँ कि इस पुस्तक मेले में सार्थक भागीदारी से हमारे पारंपरिक संबंध और अधिक मजबूत होंगे।

सभी पुस्तक प्रेमियों, लेखकों, विद्वानों, प्रकाशकों, पुस्तक-प्रदर्शकों तथा आयोजकों के पुस्तक मेले और बुलेटिन के सफल प्रकाशन के लिए मेरी शुभकामनाएं।

द्रौपदी

(द्रौपदी मुर्मु)

नई दिल्ली
22 जनवरी, 2025

रूस से आईं किताबें

इस वर्ष नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का फोकस देश 'रूस' है और वहाँ से एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल मेले में शामिल हुआ है। रूस अंतरराष्ट्रीय मंडप, 'रूस से आईं किताबें' पर केंद्रित है। विश्वप्रसिद्ध कवि और रूसी साहित्य के संस्थापक अलेक्सांद्र पुश्किन, 'युद्ध और शांति' के लेखक लियो टॉल्स्टॉय, 'अपराध और दंड' के लेखक फ्योदोर दोस्तोवस्की, 'सीगल' और चेरी का बगीचा' जैसे नाटक और 'क्लर्क की मौत' और 'वार्ड नंबर 6' जैसी कहानी लिखने वाले महान कहानीकार और नाटककार अन्तोन चेखव, 'मृत आत्माएँ', 'नाक' और 'ओवरकोट' जैसी कथा-कृतियों के लेखक निकोलाई गोगोल, 'एक हीरो की कहानी' के लेखक मिखाइल लर्मोन्तोव, 'मास्टर और मार्गरीटा' के लेखक मिखाइल बुल्गाकोव, 'रेड कैवेलरी' के लेखक इसाक बाबेल, 'डॉक्टर जिवागो' के लेखक बोरिस पास्तरनाक, कवि और नाटककार, व्लादिमीर मायाकोव्स्की, सेर्गेई एसेनिन, अन्ना अख्मातोवा, मारीना त्स्वेतायेवा जैसे कवियों के समृद्ध एवं महान साहित्य का अनुवाद के माध्यम से रूस से भारत में आदान-प्रदान की एक लंबी परंपरा रही है और उसका दिग्दर्शन इस विश्व पुस्तक मेले में देखने को मिलेगा।

साथ ही, आंद्रेई सखारोव (वैज्ञानिक और लेखक), इवान बुनिन, मिखाइल शोलोखोव (उपन्यासकार), अलेक्सांद्र सोल्झेनित्सिन (उपन्यासकार), निकोलाई जदानोव (कवि और नाटककार), जोसेफ ब्रॉडस्की (कवि-लेखक), स्वेतलाना अलेक्सिएविच आदि साहित्य में नोबेल पुरस्कार प्राप्त इन लेखकों ने रूसी साहित्य को समृद्ध बनाया और विश्व साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन महान और विश्वप्रसिद्ध क्लासिक लेखकों से एक साथ रूस के स्टॉल पर मिला जा सकता है, उनके महान कृतियों के माध्यम से।

इसके अतिरिक्त, नई पहल के तहत रूसी फिल्मों, थिएटर, संगीत और खानपान के साथ ही लेखक लाउंज आकर्षण का केंद्र होगा। लेखक लाउंज एक ऐसा स्थान होगा, जहाँ लेखक पाठकों और सह-लेखकों के साथ संवाद कर सकेंगे।

पुस्तक मेले में आए रूसी लेखक एलेक्सी वारलामोव के अनुसार, "यह सब बहुत रोमांचक है, एक-दूसरे की संस्कृतियों को समझने और खोजने का अवसर प्राप्त हो रहा है। हम भारत में वे पुस्तकें लेकर आए हैं, जो रूस में महत्वपूर्ण साहित्यिक पुरस्कार जीत चुकी हैं। साहित्य किसी भी देश, उसके लोगों और उसके इतिहास को समझने का सबसे अच्छा माध्यम है। पुस्तक मेले से आगे बढ़कर, हम भारतीय विश्वविद्यालयों और स्कूलों में व्याख्यान, चर्चाओं और बैठकों में भी भाग लेंगे। रूस के युवा लेखक भी इस मेले में उपस्थित रहेंगे, जिससे आगंतुकों को उनके विचार सुनने और उनसे संवाद करने का अवसर मिलेगा।"

मेले में 19वीं और 20वीं शताब्दी के रूसी क्लासिक्स, सोवियत युग की 1,500 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। इस मेले में रूसी साहित्य की बेहतरीन कृतियाँ प्रदर्शित की गई हैं, जिनसे पुस्तकप्रेमी समृद्ध हो सकेंगे।

ब्रेल पुस्तकों का निःशुल्क वितरण

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास एक नई पहल करने जा रहा है। भारत मंडपम् में 01 से 09 फरवरी तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में 'सभी के लिए पुस्तक' पहल के तहत ब्रेल पुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। पाठक इन पुस्तकों को अपना 'यूनीक डिसेबिलिटी आईडी नंबर' और 'आधार नंबर' प्रदान करके प्राप्त कर सकते हैं। ये किताबें हॉल संख्या 6 - 'सभी के लिए पुस्तक' मंडप में उपलब्ध रहेंगी।

विदित हो कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास पुस्तक पठन संस्कृति के प्रोन्नयन हेतु अपने दृष्टिहीन पाठक को पुस्तकें आसानी से उपलब्ध कराने के लिए अखिल भारतीय दृष्टिहीन परिसंघ (एआईसीबी) के साथ मिलकर ब्रेल में किताबें प्रकाशित करता है। ये किताबें न केवल हिंदी और अंग्रेजी में, बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं, जैसे गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी और तमिल में भी प्रकाशित की जाती हैं। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की विभिन्न प्रकाशन शृंखलाओं से अब तक 360 से अधिक किताबें प्रकाशित की जा चुकी हैं। इन पुस्तकों को मुख्यतः पाँच वर्गों में बाँटा गया है, जिसमें ब्रेल पुस्तकें, ऑडियो पुस्तकें, ई-पुस्तकें, वर्चुअल रियलिटी पुस्तकें और सामान्य पुस्तकें शामिल हैं।

संदेश

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि **"राष्ट्रीय पुस्तक न्यास"** इस बार **भारत : गणतंत्र @75** की थीम पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में "**32वें विश्व पुस्तक मेला**" का आयोजन कर रहा है। यह मेला ऐसे समय में आयोजित हो रहा है, जब पूरा विश्व **महाकुंभ** में आस्था की डुबकी लगा रहा है। पुस्तक प्रेमियों के लिए यह मेला भी एक ऐसा ही महाकुंभ है, जिसमें उनकी ज्ञान तृष्णा को बुझाने के लिए विविध भाषाओं और विषयों पर देश-विदेश के लेखकों की किताबें एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी।

मैं **रूस** को इस मेले में सम्मानित अतिथि देश के रूप में शामिल होने पर बधाई देता हूं। यह दोनों देशों के दशकों पुराने मजबूत संबंधों को और आगे ले जाएगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस मेले में पुस्तक प्रेमियों को तेजी से विकसित होते भारत और उसकी विविधता में एकता की झलक मिलेगी। साथ ही यह मेला जनमानस में साहित्य के प्रति लगाव बढ़ाने में भी सफल होगा।

मैं पुस्तक मेले के सफल आयोजन की कामना करता हूं और इसमें शामिल सभी प्रकाशकों, मुद्रकों, वितरकों और लेखकों को इसके लिए बधाई प्रेषित करता हूं।

(विनय कुमार सक्सेना)

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 का उद्घाटन

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला के 32वें संस्करण के आयोजन के साथ ही, मेले के 52 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मना रहा है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा प्रथम विश्व पुस्तक मेला वर्ष 1972 में आयोजित किया गया था। मेले में आने वाले दर्शकों की संख्या की दृष्टि से, यह विश्व के सर्वाधिक बड़े पुस्तक मेलों में से एक है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 01 से 09 फरवरी, 2025 तक भारत मंडपम् परिसर, नई दिल्ली के नवनिर्मित हॉल संख्या 2-6 में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। मेले का उद्घाटन भारत की राष्ट्रपति माननीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के करकमलों द्वारा 01 फरवरी, 2025 को प्रातः 11:30 बजे भारत मंडपम् में किया जाएगा।

उद्देश्य सामाजिक न्याय और मौलिक अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण आदर्शों पर प्रकाश डालना है। भारतीय संविधान एक जीवंत दस्तावेज है और इस जीवंतता की रचनात्मक प्रस्तुति थीम मंडप में की जाएगी, जिसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद द्वारा डिजाइन किया गया है। यह मंडप पुस्तक मेले की थीम को क्रिएटिव्स, ग्राफिक्स, इंस्टॉलेशंस, पुस्तकों, भित्तिचित्रों, कलाकृतियों आदि के साथ प्रदर्शित करता है। मेले के दौरान थीम मंडप पर थीम आधारित अनेक साहित्यिक सत्र एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी।

इसके साथ ही पंकज त्रिपाठी, फोनसोख लद्दाखी, पुष्पेश पंत, शशि थरूर, गजेंद्र सिंह शेखावत, गोविंद ढोलकिया, कुमार विश्वास, प्रकाश झा जैसे दिग्गज अपने सत्र में दर्शकों से जुड़ेंगे, जो समारोह की गतिशीलता और समावेशी दृष्टि को दर्शाते हैं।

वर्तमान में, भारतीय प्रकाशन उद्योग विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला सभी भागीदारों को इस बढ़ते प्रकाशन उद्योग के साथ व्यापार करने का अद्भुत अवसर प्रदान करता है। यह मेला पुस्तकों, सह-प्रकाशन व्यवस्थाओं तथा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भी एक आदर्श स्थान है। इस नौ दिवसीय पुस्तक मेले के दौरान साहित्यिक एवं प्रकाशन से संबंधित गतिविधियों एवं संगोष्ठियों के आयोजन के अतिरिक्त, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी लुत्फ उठाया जाता है। इस वर्ष यह मेला 50,000 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला है, जिसमें 2,000 से अधिक स्टॉल लग रहे हैं तथा 50 से अधिक देश मेले में भाग ले रहे हैं।

प्रत्येक वर्ष नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला एक विशेष केंद्रीय विषय पर आधारित होता है। इस वर्ष मेले की थीम है—'भारत : गणतंत्र @75 : गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव', जिसका केंद्रीय विषय 'हम, भारत के लोग...'—भारतीय संविधान की 'प्रस्तावना' के प्रारंभिक शब्द हैं। थीम पवेलियन गणतंत्र भारत के 75 वर्षों (1950-2025) के उत्सव को विशिष्ट तरीके से दिखाएगा। यह थीम सन् 1950 में गणतंत्र की स्थापना के बाद से राष्ट्रनिर्माण, स्वतंत्रता, समानता और शासन के संदर्भ में राष्ट्र की यात्रा के उत्सव को दर्शाएगी। इसका

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 2024 में शुरू की गई पहल, फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के एक हिस्से के रूप में, देश भर के विभिन्न पुस्तक महोत्सवों और साहित्यिक मंच नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 में एक साथ आएँगे। भारत के विशाल साहित्यिक परिदृश्य को देखते हुए, ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल, प्रभात प्रकाशन, भारत लिटरेचर फेस्टिवल, एपीजे कोलकाता लिटरेरी फेस्टिवल, ऑथर्स इंक पब्लिकेशंस, पेंगुइन डायलॉग्स, माई सीक्रेट बुकशेल्फ, एनेकडोट पब्लिशिंग हाउस, एशियन लिटरेरी सोसाइटी और ग्रेट इंडियन बुक टूर—ये सभी भाग लेंगे, जिससे भारत के उभरते पुस्तक महोत्सवों के बीच सहयोग और जुड़ाव को बढ़ावा मिलेगा।

न्यास ने विभिन्न शैलियों के बेहतरीन साहित्य की एक विशेष सूची भी तैयार की है। यह न केवल भारत में क्षेत्रीय साहित्य और भाषायी विविधता की गहराई और समृद्धि को दर्शाता है, बल्कि इस सूची में अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, मलयालम, पंजाबी, तमिल, मराठी, तेलुगू, बाँग्ला, गुजराती, कन्नड़, ओड़िया आदि विभिन्न भाषाओं के साहित्य के कुछ प्रतिष्ठित और पुरस्कार विजेता लेखकों की बेहतरीन पुस्तकें शामिल हैं। पाठकों के लिए यह विविध समुदायों और वर्गों की संस्कृतियों और जीवन-शैली को समझने का सुनहरा अवसर है।

मेले में विशेष रूप से डिजाइन किया गया बाल मंडप, बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र होता है। यहाँ साहित्य एवं पठन संस्कृति को बढ़ावा देने वाली अनेक गतिविधियाँ, जैसे कथावाचन-सत्र, कार्यशालाएँ, पैनल चर्चाएँ, संवादात्मक सत्र, प्रश्नोत्तरी, विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ-साथ, बाल लेखक मंच का भी आयोजन किया जाता है। विख्यात लेखकों और चित्रकारों तथा शिक्षा और प्रकाशन जगत के पेशेवरों द्वारा आयोजित इन गतिविधियों में सरकारी तथा गैर-सरकारी स्कूलों, गैर-सरकारी संगठनों के अध्यापकों और बच्चों के साथ-साथ बाल साहित्य और पठन संस्कृति का प्रोन्नयन करने से जुड़े लोग भी भारी संख्या में सहभागिता करते हैं।

मेले के विभिन्न हॉलों में रचनात्मक रूप से डिजाइन किये गए लेखक मंच भारतीय प्रकाशकों, लेखकों तथा पुस्तक-प्रेमियों को पैनल-चर्चा, पुस्तक लोकार्पण तथा संवाद स्थापित करने के लिए बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। लेखक मंच/ऑथर्स कॉर्नर के नाम से ये मंच, मेले में जीवंत साहित्यिक गतिविधियों का पर्याय बन गए हैं। मेले के दौरान इन मंचों पर प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय लेखकों, साहित्यकारों, रचनाकारों से मिलने का सुनहरा अवसर पाठकों को प्राप्त होता है।

मेले में एक अन्य आकर्षण का केंद्र होता है विदेशी मंडप, जिसमें अनेक देशों से आए प्रकाशकों की पुस्तकों से साक्षात्कार होने का अवसर आपको प्राप्त होता है। इस वर्ष 'रूस' नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2024 में फोकस देश के रूप में भाग ले रहा है। मेले में आने वाले पुस्तक प्रेमियों को विदेशी मंडप पर रूस की विभिन्न पुस्तकें देखने का विशेष अवसर प्राप्त होगा। मेले के दौरान विदेशी मंडप पर विभिन्न प्रकार की साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन, अंतरराष्ट्रीय गतिविधि मंच पर किया जाता है, जहाँ विदेशी प्रदर्शकों/मिशनों/दूतावासों/सांस्कृतिक केंद्रों/पुस्तक प्रोन्नयन एजेंसियों द्वारा पुस्तक-लोकार्पण, पैनल चर्चाएँ, साहित्यिक कार्यक्रम तथा कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा बी2बी कार्यक्रम, 'सीईओ स्पीक ओवर चेयरमैन'स ब्रेकफास्ट' भी आयोजित किया जाता है, जिसमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) तथा वरिष्ठ कार्यकारी भाग लेते हैं। मेले में भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुस्तक व्यापार संबंधी विचारों के परस्पर आदान-प्रदान हेतु 'नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच : प्रतिलिप्यधिकार विनिमय फोरम' का आयोजन भी किया जाता है। इस वर्ष इसका आयोजन 03 तथा 04 फरवरी, 2025 को किया जाएगा। यह मंच प्रकाशकों के बीच एक नवीन व्यापारिक वातावरण में बी2बी सत्र प्रस्तुत करता है। यह अद्वितीय प्रारूप प्रतिभागियों को अपने प्रतिलिप्यधिकार मंच को सुरक्षित करने, परस्पर भेंट करने, अपने उत्पाद एवं विचार प्रस्तुत करने तथा अंग्रेजी, हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध पुस्तकों के अनुवाद एवं अधिकारों के हस्तांतरण हेतु अपनी अभिरुचियों तथा समझौतों को अंतिम रूप प्रदान करने के भी अवसर प्रदान करता है। इस वर्ष रूस, मिस्र, बांग्लादेश, फ्रांस, ईरान, इजराइल, नाइजीरिया, इटली, नेपाल, रूस, स्पेन, श्रीलंका, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात, सउदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम शामिल हो रहे हैं।

गत वर्षों की भाँति नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 का यह संस्करण भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सराबोर रहेगा। यहाँ लोक संस्कृति की झलक देखने को मिलती है, जिसमें लोक कलाकार विभिन्न विषयों पर अपनी प्रस्तुतियाँ देते हैं। ये प्रस्तुतियाँ मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञानवर्धन भी करती हैं। मेले में उत्सव का वातावरण बनाते, इस आकर्षक सांस्कृतिक मंच पर लोक नाट्य, लघु नाटिका, नृत्य प्रस्तुति, शास्त्रीय संगीत से संबंधित प्रस्तुतियाँ दी जाती हैं। लोक संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम स्थानीय पारंपरिक परिधान में आयोजित होते हैं, जो न केवल दर्शकों और श्रोताओं का मन मोह लेते हैं, अपितु हमें स्थानीय संस्कृति से रू-ब-रू भी करवाते हैं। इसके अतिरिक्त, यहाँ आयोजित कवि सम्मेलन, मुशायरा, थीम आधारित प्रस्तुतियाँ मुख्य आकर्षण होते हैं। इस सांस्कृतिक मंच पर आयोजित किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सभी आयु-वर्गों के दर्शक भरपूर आनंद उठाते हैं।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत MyGov के सहयोग से आयोजित आकर्षक क्विज प्रतियोगिताएँ और रीडिंग प्लेस भी इस बार पुस्तक मेले में शामिल हैं, जो देश भर के पाठकों को पढ़ने और ज्ञान के आनंद का उत्सव मनाने के लिए प्रोत्साहित करने में सक्षम होंगे।

भारतीय संस्कृति की झलक बिखेरेंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

गत वर्षों की भाँति नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 का यह संस्करण भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सराबोर रहेगा। यहाँ भारतीय लोक संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी, जिसमें लोक कलाकार विभिन्न विषयों पर अपनी प्रस्तुतियाँ देते हैं। ये प्रस्तुतियाँ मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञानवर्धन भी करती हैं। विश्व पुस्तक मेले की खास बात यह होती है कि एक स्थान पर बैठकर मेले में आने वाले व्यक्ति संपूर्ण भारत के दर्शन कर पाते हैं। एंफीथियेटर में आयोजित हर कार्यक्रम आम जनमानस को अपने रंग में रँग देता है। यह लोगों को हँसाता है, रुलाता है, चिंतन के बिंदु देता है और यह प्रश्न पूछता है कि हम अपनी संस्कृति के प्रति कितने जागरूक हैं, हम अपनी संस्कृति के विषय में कितना ज्ञान रखते हैं। यहाँ गत वर्षों की भाँति, लोक नाट्य, लघुनाटिका, नृत्य प्रस्तुति, शास्त्रीय संगीत से संबंधित प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। यह दर्शनीय होता है कि लोक संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम स्थानीय पारंपरिक परिधान में आयोजित होते हैं, जो न केवल दर्शकों और श्रोताओं का मन मोह लेते हैं, अपितु लोगों को स्थानीय संस्कृति से रू-ब-रू भी करवाते हैं। इसके अतिरिक्त, यहाँ कवि सम्मेलन, मुशायरा, थीम आधारित प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी, साथ ही फोकस देश रूस के विशिष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम आर्कषण का केंद्र होंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक एंफीथियेटर में आयोजित किए जाएँगे।

दूर देश से आईं प्रकाशन संस्थाएँ

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में कई देशों की भागीदारी है। 15 विदेशी प्रकाशक हॉल सं. 4 में हजारों पुस्तकों के साथ उपस्थित हैं। इस बार का फोकस देश 'रूस' है और वहाँ से एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल मेले में शामिल हुआ है। रूस के अतिरिक्त, फ्रांस, मिस्र, ईरान, इजराइल, इटली, नाइजीरिया, नेपाल, स्पेन, श्रीलंका, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूनाइटेड किंगडम, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका ने भी सक्रिय सहभागिता की है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में विदेशी भागीदार

1. अबूधाबी एरेबिक लैंग्वेज सेंटर, संयुक्त अरब अमीरात; 2. अफाक अल मारिफा, सऊदी अरब; 3. एपीजे ऑक्सफोर्ड बुकस्टोर प्रा.लि., भारत; 4. ब्यूरो इंटरनेशनल दे ल'एडिशन फ्रेंचाइज; 5. कम्युनिटिज सेंटर, संयुक्त अरब अमीरात; 6. ईसीओ वेक्टर, रूस; 7. इंस्टीट्यूटो सर्वेन्तेज - एंबेसी ऑफ स्पेन, स्पेन; 8. ईरान बुक एंड लिटरेचर हाउस, ईरान; 9. ला'एर्मा द ब्रेट्शनीडर, इटली; 10. मेनसाह डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी, संयुक्त अरब अमीरात; 11. मुस्लिम काउंसिल ऑफ एल्डर्स, संयुक्त अरब अमीरात; 12. शारजाह बुक अथॉरिटी, संयुक्त अरब अमीरात; 13. द इंस्टीट्यूट फॉर लिटरेरी ट्रांसलेशन, रूस; 14. द लिटरेचर, पब्लिशिंग एंड ट्रांसलेशन कमीशन, सऊदी अरब; 15. द मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर एंड टूरिज्म ऑफ रिपब्लिक ऑफ तुर्किये, तुर्किये; 16. यूएस एंबेसी नई दिल्ली, संयुक्त राज्य अमेरिका; 17. व्हाइट लोटस बुक शॉप, नेपाल; 18. श्रीलंका बुक पब्लिशर एसोसिएशन, श्रीलंका।

नई दिल्ली राइट्स टेबल का आयोजन

03-04 फरवरी, 2025

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के एक अहम हिस्से के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत 03-04 फरवरी 2025 तक 12वीं नई दिल्ली राइट्स टेबल (एनडीआरटी) का आयोजन कर रहा है।

यह दो दिवसीय कार्यक्रम भारत और विदेश से प्रकाशकों, अधिकार एजेंटों, साहित्यिक एजेंटों, अनुवादकों और संपादकों को नेटवर्क बनाने और व्यावसायिक अवसरों की खोज करने के लिए एक साथ लाता है।

एनडीआरटी अब अंग्रेजी, हिंदी और सभी भारतीय भाषाओं में भारतीय पुस्तकों की रोमांचक दुनिया की खोज का एक आकर्षक मंच बन गया है। एनडीआरटी एक ताजा नये व्यावसायिक माहौल में बी2बी सत्र प्रदान करता है। यह अद्वितीय प्रारूप प्रतिभागियों को अपनी टेबल बुक करने, एक-दूसरे से मिलने और अपने उत्पादों और विचारों को प्रस्तुत करने में सक्षम करेगा। एनडीआरटी राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत का भी एक हिस्सा है, जो भारत और विदेश, दोनों में भारतीय भाषा के कार्यों को बढ़ावा देने का प्रयास है।

फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले 2024 में, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने एक अनूठी पहल 'फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स' की शुरुआत की थी, जिसके तहत साहित्यिक और सांस्कृतिक उत्सवों का एक जीवंत समागम होता है, जो पूरे देश के विभिन्न महोत्सवों को एक मंच पर लाता है। यह साझा मंच विचारों, कहानियों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों को फलने-फूलने का अवसर प्रदान करता है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा शुरू की गई एक पहल फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स (FoF) के रूप में देश भर के विभिन्न पुस्तक महोत्सव और साहित्यिक मंच नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2025 में एक साझा मंच पर एक साथ आएँगे। भारत के विशाल साहित्यिक परिदृश्य का जश्न, ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल, प्रभात प्रकाशन, भारत लिटरेचर फेस्टिवल, एपीजे कोलकाता लिटरेरी फेस्टिवल, ऑथर्स इंक पब्लिकेशंस, पेंगुइन डायलॉग्स, माई सीक्रेट बुकशेल्फ एक्स एनेकडोट पब्लिशिंग हाउस, एशियन लिटरेरी सोसाइटी और द ग्रेट इंडियन बुक टूर, ये सभी भाग लेंगे, यह भारत के उभरते पुस्तक महोत्सवों के बीच सहयोग और जुड़ाव को बढ़ावा देगा।

फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स आयोजकों, लेखकों और श्रोताओं को जोड़ने के लिए एक सेतु का कार्य करता है, जहाँ विभिन्न क्षेत्रों और साहित्यिक परंपराओं के महोत्सव अपनी विशिष्टता को प्रस्तुत कर सकते हैं, जिससे संवाद, सहयोग और विचारों के

आदान-प्रदान को प्रोत्साहन मिलता है। इस पहल के माध्यम से, भारत की साहित्यिक विरासत को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास किया गया है। फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स में विभिन्न सत्रों के माध्यम से कुछ प्रसिद्ध हस्तियाँ—पंकज त्रिपाठी, फोनसोख लद्दाखी, पुष्पेश पंत, शशि थरूर, गजेंद्र सिंह शेखावत, गोविंद ढोलकिया, कुमार विश्वास, प्रकाश झा आदि दर्शकों से जुड़ेंगे।

शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार

nbt.india
एक: सूते सकलम्

नई दिल्ली
विश्व पुस्तक मेला

01-09 फरवरी 2025

भारत मंडपम्, नई दिल्ली • प्रातः 11 से रात्रि 8 बजे तक

थीम प्रस्तुति

हम, भारत के लोग...
We, the People of India...

सम्मानित अतिथि देश

रूस से आई किताबें

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत सभी पुस्तक प्रेमियों को आमंत्रित करता है

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के नए प्रकाशन

आएँ और विषयों की एक व्यापक श्रृंखला में से अपनी पसंदीदा पुस्तकों को चुनकर खरीदें।

विश्व के सबसे बड़े पुस्तक मेलों में से एक पुस्तक मेले में आएँ

एनबीटी स्टॉल

हॉल संख्या : 2-3
स्टॉल संख्या : L - 01
हॉल संख्या : 5
स्टॉल संख्या : C - 01
हॉल संख्या : 6
स्टॉल संख्या : V - 01

आयोजक
राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

सह–आयोजक
ITPO

देश का नॉलेज पार्टनर

Books for All

हमसे जुड़ें :
LinkedIn
YouTube

शनिवार, दिनांक 01 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर : हॉल सं. 4	
01.00-01.50	'सर्गेई राखमानिनोव-रशियन कंपोजर ऑफ वर्ल्ड म्यूजिक' फिल्म की स्क्रीनिंग फिल्म की लेखिका अन्ना एस्पारसा और संगीत युगल 'लाडी'	इंस्टीट्यूट ऑफ लिटरेरी ट्रांसलेशन एंड एसोसिएशन ऑफ राइटर'स यूनियन ऑफ रशिया
02:00-2:50	सम्मानित लेखक एवेग्नी वोदोलाजकिन की प्रो. रंजना सक्सेना (*अनुवादक*) के साथ मुलाकात; एवेग्नी रेजिनचेंको (*मॉडरेटर*)	इंस्टीट्यूट ऑफ लिटरेरी ट्रांसलेशन एंड एसोसिएशन ऑफ राइटर'स यूनियन ऑफ रशिया
03:00-3:50	'अमीराती कहानियों में भारतीय चरित्र'—मोहसेन सुलेमान द्वारा एक प्रस्तुति	संयुक्त अरब अमीरात
04:00-4:50	'द इंटरसेक्शन ऑफ सउदी नॉवेल्स विद न्यू डेल्ही'—ए डिस्कशन बाई अबीर अल-अली; अहमद अल-रिदनी (*मॉडरेटर*)	लिटरेचर, पब्लिशिंग एंड ट्रांसलेशन कमीशन, सऊदी अरब
06:00-6:50	केओस टू क्राफ्ट : एन इंटरैक्शन; *पैनलिस्ट* : कैथरीन चिजी, अनुराधा रॉय, महामहिम पैट्रिक जॉन राता (*मॉडरेटर*)	न्यूजीलैंड हाई कमिश्नर
	बाल मंडप : हॉल सं. 6	
10:30-11:15	कहानी वाचन सत्र	अमृत नागपाल
11:30-12:00	बच्चों के लिए योग	सुबोध शर्मा
12:15-01:00	वैदिक गणित के साथ मनोरंजन	विवेक कुमार
01:15-01:25	अपने पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलिए	छोटा भीम और लिटिल सिंघम
01:30-02:00	'एडवेंचर्स ऑफ राजासौरस' : पेंट द किंग ऑफ इंडियन डायनासोर	वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी
02:10-02:45	माइंड योर नंबर्स विद क्यू मैथ्स	सुरेंद्र तिवारी और रीता दास
3:00-3:45	बच्चों की लेखकों से मुलाकात	स्कॉलेस्टिक
04:15-06:15	बाल फिल्मों का प्रदर्शन	एनसीसीएल, रा.पु. न्यास
	लेखक मंच : हॉल सं. 2	
02:00-02.45	'हिंदी साहित्य के माध्यम से विविध कौशलों का विकास' *वक्ता* : पद्मश्री रामदरश मिश्र, प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी, प्रो. सुरेंद्र दुबे, डॉ. नूतन पाण्डेय, डॉ. अनुपम माथुर	केंद्रीय हिंदी निदेशालय
03:00-3:45	'नवरंग विविध भावनाएँ : कविताओं के संग' पर चर्चा *वक्ता* : विनोद कुमार पहिलाजानी, रुचि गौतम पंत, ऐश्वर्या तिवारी, शंकर सहाय, प्रशांत गुप्ता (*संचालक*)	द ग्रेट इंडियन बुक टूर (FoF)
04:00-04:45	भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान द्वारा प्रकाशित कृतियों पर परिचर्चा एवं विमर्श; *वक्ता* : प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी, प्रो. बृजेश पाण्डेय, प्रो. पंकज, प्रो. शंकर शरग, प्रो. रमाशंकर सिंह	भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान राष्ट्रपति निवास, शिमला
06:00-07:45	लेखक जे.आर.डी. 'सत्यार्थी' की पुस्तक 'पूर्णत्व की ओर' का लोकार्पण एवं चर्चा	संत निरंकारी
	ऑथर्स कॉर्नर : हॉल सं. 5	
02:00-02:45	मैजिक ऑफ राइटिंग-रीडिंग कंपेलिंग नॉन फिक्शन बुक्स *वक्ता* : अभिषेक अनेजा, एल. वेंकट सुबह्मण्यम, नंदिता कौशिक, कोमल गुप्ता, जिय्याद शाहुल (*मॉडरेटर*)	द ग्रेट इंडियन बुक टूर (एफओएफ)
03:00-03:45	'द रोल ऑफ इमेजिनेशन-ब्लेंडिंग रियलिटीज एंड पॉसिबिलिटीज इन स्टोरीटेलिंग' विषय पर चर्चा एवं पुस्तक लोकार्पण *वक्ता* : आद्या अग्रवाल, देव साहनी, सर्बजीत चौधरी, हरीश खत्री; चाँदनी (*मॉडरेटर*)	माई सीक्रेट बुकशेल्फ एंड एनेकडोट पब्लिशिंग हाउस (एफओएफ)
04:00-04:45	'द फ्यूचर ऑफ स्टोरी टेलिंग' *पेनलिस्ट* : सलोनी जैन, वंदना कुमार, दीपक शर्मा, गीतिका मेहरा, अर्पित मिश्रा, अमित अग्रवाल, नगमा (*मॉडरेटर*)	ऑथर'स इंक पब्लिकेशंस (एफओएफ)
05:00-05:45	प्रियजीत देबसरकार की पुस्तक 'बंगबंधु बांग्लादेश एंड ब्रिटेन' का लोकार्पण एवं चर्चा	मोतीलाल बनारसीदास
06:00-06:45	श्रीप्रकाश नदादुर श्रीधरन की पुस्तक 'बिल्डिंग ब्लॉक्स' का लोकार्पण एवं चर्चा; *वक्ता* : पृथ्वी शेरगिल, राहुल भल्ला	लेखक
07:00-07:45	निवेदिता सेनगुप्ता की पुस्तक 'जर्नी ऑफ फेमिली ऑफ अ स्पेशल चाइल्ड' पर चर्चा	क्यूरेट बुक्स प्रा.लि.
	सांस्कृतिक कार्यक्रम	
05:00-06:00	रशियन म्यूजिकल ड्वेट—'लाडी'	रूस
06:00 बजे से	जम्मू एंड कश्मीर दिवस—विभिन्न कलाकारों द्वारा लोक प्रस्तुति	रा.पु. न्यास

पुस्तक मेला के बारे में सामान्य जानकारी

भारत मंडपम् : कहाँ पर क्या

मेले की अवधि	:	01 - 09 फरवरी, 2025
समय	:	प्रातः 11 से सायं 8 बजे तक
स्थान	:	हॉल सं. 2 से 6

हॉल संख्या 2

लेखक मंच

हॉल संख्या 2 और 3

हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के प्रकाशक

हॉल संख्या 3 (मेजानिन)

नई दिल्ली राइट्स टेबल

हॉल संख्या 4

विदेशी मंडप
ऑथर्स लाउंज
इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर
विदेशी भागीदार (प्रदर्शनी)
डिजिटल अनुभव क्षेत्र

हॉल संख्या 5

थीम मंडप (भारत : गणतंत्र @75)
सामान्य एवं व्यापार (प्रदर्शनी)
ऑथर्स कॉर्नर

हॉल संख्या 6

बाल मंडप
बाल प्रकाशक
टॉय-इंटीग्रेटेड लर्निंग एंड एजुकेशनल ऐड्स
डिजिटल अनुभव क्षेत्र
दर्शन और अध्यात्म, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी

एंफीथिएटर 1

सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रवेश : गेट नं. 10 (सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के पास) : निशुल्क शटल सेवा उपलब्ध

गेट नं 4 (भैरो मार्ग), गेट नं. 3

नोट : व्हील चेयर की सुविधा गेट नं 4, 3 और 10 पर उपलब्ध है।
इसके अतिरिक्त, मोबाइल बैंक एटीएम वाहन और एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

20 मेट्रो स्टेशन पर पुस्तक मेले के टिकट उपलब्ध

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला देखने आने वालों के लिए दिल्ली मेट्रो ने एक अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 20 मेट्रो स्टेशनों पर पुस्तक मेले के लिए प्रवेश के टिकट उपलब्ध होंगे।

टिकट दर : वयस्क– **20** रुपये, बच्चे– **10** रुपये। छात्रों (स्कूल यूनिफॉर्म में), वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए प्रवेश निशुल्क है।

जिन मेट्रो स्टेशनों पर टिकट उपलब्ध होंगे, वे इस प्रकार हैं–

1. **रेड लाइन :** रिठाला, दिलशाद गार्डन, वेलकम।
2. **ब्लू लाइन :** कीर्ति नगर, मंडी हाउस, सुप्रीम कोर्ट, वैशाली, नोएडा सिटी सेंटर, बोटैनिकल गॉर्डन, इंद्रप्रस्थ, नोएडा सेक्टर-52, द्वारका।
3. **येलो लाइन :** विश्वविद्यालय, जीटीबी नगर, कश्मीरी गेट, राजीव चौक।
4. **वॉयलेट लाइन :** आईटीओ।
5. **ग्रीन लाइन :** मुंडका।
6. **पिंक लाइन :** आईएनए।
7. **मैजेंटा लाइन :** हौजखास।

भाषावार प्रकाशक

• 1. हिंदी : **153** • 2. उर्दू : **20** • 3. संस्कृत : **4** • 4. मलयालम : **2** • 5. पंजाबी : **6** • 6. तमिल : **1**
• 7. बांग्ला : **3** • 8. अंग्रेजी : **337** • 9. सिंधी : **2** • 10. मैथिली : **2** • 11. ओड़िया : **4**

हमसे यहाँ भी जुड़ें

https://twitter.com/nbt_india | https://www.facebook.com/nationalbooktrustindia/ | https://in.linkedin.com/company/nationalbooktrustindia
https://www.youtube.com/user/NBTIndia | https://www.instagram.com/nbtindia/ | https://www.kooapp.com/profile/nbtindia

अधिक जानकारी के लिए **www.nbtindia.gov.in** पर जाएँ

मेला वार्ता के लिए समाचार, सूचना एवं सुझाव
ई-मेल **melavartandwbf@gmail.com** पर भेजे जा सकते हैं।
प्रकाशन हेतु सामग्री मेला वार्ता के **हॉल संख्या 6** के पास स्थित कार्यालय को भी दी जा सकती है।

संपादक
दीपक कुमार गुप्ता

संपादकीय सहयोग
विजयलक्ष्मी पाण्डेय
कमलेश पाण्डेय
सुधीर नाथ झा

उत्पादन
पवन दूबे

लेआउट एवं सज्जा
ऋतुराज शर्मा

टंकण
ब्रजेश बनवारी

संवाददाता
सोनी सिंह, श्रीकान्त कुमार, मृणाल तिवारी, ऋतुराज, नमन दीक्षित

मेला वार्ता, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 32वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के लिए प्रकाशित विशेष बुलेटिन है। इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से न्यास का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

श्री युवराज मलिक, *निदेशक*, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित एवं मे. सालासर इमेजिंग सिस्टम्स, ए-97, सेक्टर-58, नोएडा-201301 द्वारा मुद्रित।